रोजगार के अवसर एवं भाषा कौशल का महत्त्व

प्रा.डॉ.भरत त्र्यंबक शेणकर
अध्यक्ष,हिन्दी विभाग,
ॲड्. मनोहरराव नानासाहेब देशमुख कला,विज्ञान व वाणिज्य
महाविद्यालय,राजूर, तहसील-अकोले,जिला- अहिल्यानगर (महाराष्ट्र)

शोधालेख का सारांश :

भाषा मनुष्य के विचार-विनिमय का प्रमुख साधन है। एक संचार साधन के रूप में भाषा हमें एक समूह के भीतर प्रभावी ढंग से खुद को व्यक्त करने में मदद करती है। आज के विज्ञान और तकनीकी तथा ए आय के समय में भाषा का समुचित ज्ञान होना अत्यंत आवश्यक है। विश्व व्यापार बन गया है। वैश्विक धरातल पर मनुष्य को अगर अपने आप को साबित करना है तो उसके लिए भाषा पर प्रभुत्त्व स्थापित करना अनिवार्य ही नहीं बल्कि आवश्यक बन गया है। हमारी शिक्षा प्रणाली हमारे भीतर भाषा कौशल का निर्माण करती हुई हमें बेहतर मनुष्य बनाने का निरंतर प्रयास करती है।

शिक्षा से प्राप्त भाषा का उचित ज्ञान मनुष्य के लिए, उसकी उपजीविका के लिए तथा रोजगार दिलाने के लिए मदद करता है। आज भाषा कौशल के आधार पर हमें अनेक रोजगार प्राप्त हो सकते है। जैसे अनुवाद के क्षेत्र में अनुवादक के लिए बहु भाषाओं का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है। भाषा पर उत्तम अधिकार रखनेवाला अनुवादक सर्वोत्तम अनुवाद कर सकता है और रोजगार की प्राप्ति कर सकता है। पत्रकारिता के क्षेत्र में भी भाषा कौशल का बड़ा महत्त्व है। पत्रकार चाहे प्रिंट मीडिया का हो या इलेक्ट्रोनिक मीडिया का उसके भाषा कौशल का समुचित ज्ञान आवश्यक होता है। इसके साथ-साथ विज्ञापन तथा सिनेमा के क्षेत्र में भी भाषा पर अधिकार तथा उचित भाषा कौशल का ज्ञान रखनेवाले व्यक्ति को रोजगार मिल सकता है। हिन्दी भाषा आज रोजगार की प्रमुख भाषा बन चुकी है। हिन्दी के माध्यम से पत्रकारिता, सूचनात्मक लेखन, अनुवाद, विज्ञापन, समाचारवाचक, स्क्रिप्टलेखक, कॅमेरामन, पटकथालेखक, संवाददाता, मल्टीमीडिया उदबोधक, हिंदी अधिकारी, फिल्म निर्माण, जनसंपर्क, संगणक, आधुनिक इंटरनेट आदि क्षेत्र के साथ केंद्र सरकार के अधीनस्थ विभिन्न विभागों में भी रोजगार की उपलब्धिहोती है।

बीज शब्द :

भाषा कौशल,शिक्षा प्रणाली, रोजगार, उपजीविका, अनुवाद, हिन्दी अधिकारी, विज्ञापन, सिनेमा, संगणक, पत्रकारिता, संपादक, कमेंटेटर, अवसर, भाषा पर अधिकार आदि।

प्रस्तावना :

आज विश्व मे दिन-ब-दिन हिंदी भाषा का प्रचार- प्रसार बढता ही जा रहा है। भाषिक कौशल को प्राप्त कर आज मनुष्य हिन्दी के माध्यम से वैश्विक स्तर पर अपने रोजगारों को प्राप्त कर रहा है। विश्व में विराट जनतंत्र के रूप में भारत की पहचान सभी जानते है। विराट जनतंत्रवाला देश और बढती आबादी के कारण हिंदी भाषा का महत्व भी आज बढ गया है। केवल भारत में ही नहीं बल्कि विश्व स्तर पर हिंदी भाषा विश्व के बाजार की भाषा के रूप में अपनी पहचान बनाने

लगी है। यह वैश्वीकरण का युग है, सूचना और प्रौद्योगिकी के कारण असंख्य रोजगार आज उपलब्ध हो रहे है। पर्यटन, कला, संस्कृति, मनोरंजन, खाद्य संस्कृती, सुपर मार्केट, मॉल इनसे अनेक उद्योग जुड़े है।भारत जैसे विशाल देश मे अधिकांश लोगों के द्वारा बोली जानेवाली भाषा के रूप मे हम हिंदी को देखते है। और इसी कारण हिंदी भाषा मे रोजगार के अवसर मौजूद है।

आजहिन्दी भाषा के मनुष्य की उपजीविका एवं रोजगार का साधन बनती जा रही है। जो मनुष्य भाषा कौशल्य को प्राप्त करता है उसके लिए साहित्य, नाटक, सिनेमा, दूरदर्शन, सरकारी कार्यालय, निगम, अर्ध सरकारी निगम, विज्ञान, जनसंचार के समस्त माध्यम, तकनीक, वाणिज्य, विज्ञापन, दूतावास, न्यायालय, बैंक, बीमा, आदि अनेक क्षेत्रों में रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध है। आज हिन्दी में अनुवादक, उद्घोषक, हिन्दी अधिकारी, प्रबन्धक निदेशक, प्रचारक, कमेंटेटर, संवाददाता, साक्षात्कारकर्ता, समीक्षक की आवश्यकता है।

शोधालेख का विश्लेषण :

भाषा पर अधिकार प्राप्त करनेवाले और भाषा कौशल को आत्मसात करनेवाले मनुष्य के लिए आज के इस डिजिटल युग में अनेकानेक रोजगार के अवसर मौजूद है। हिन्दी भाषा के माध्यम से जिन रोजगारों को हम प्राप्त कर सकते है उनमें से कुछ निम्नानुसार है-

अनुवाद :

अनुवाद के माध्यम से एक देश, संस्कृति और कालविषय विशेष के ज्ञान को अन्य देश, संस्कृति व काल के लिए अनूदित कर प्रस्तुत किया जाता है, उसमें अनुवाद का विशेष महत्त्व है। इस बारे में प्रो. वाई. वेंकटरमण लिखते है,- "आधुनिक युग अनुवाद का युग है। सभ्यता का अस्तित्त्व एवं विकास अनुवादों पर आधारितएवं उनका ऋणी है। अनुवादों के माध्यम से ही ज्ञान एक भाषा-भाषी समुदाय से दूसरे भाषा-भाषी समुदायों में व्याप्त होता है"।[1] आज अनुवाद रोजगार का प्रमुख साधन है। अनुवाद का संबंध पहिले जैसा केवल साहित्य से ही नही रहा बल्कि आज हर क्षेत्र में अनुवाद ने अपनी अनिवार्यता कायम की है। आज अनुवाद कला, संस्कृति, शिक्षा, रक्षा चिकित्सा, प्रशासन, फिल्म, पर्यटन, विधी, विज्ञान, वाणिज्य, तकनीकी, खेल आदि क्षेत्रों में यहाँ पर अपनी उपयोगिता स्वयं सिद्ध कर रहा है। अनुवाद के क्षेत्र में हिंदी में विभिन्न अवसर प्राप्त हो सकते है। "इसके अलावा फिल्मी दुनिया मे भी विदेशी फिल्मों के सब टायटल बनाने और किसी अन्य भाषा मे फिल्म की डबिंग करने के लिए अनुवादकों की आवश्यकता होती है। डबिंग करने के लिए अनुवादकों की आवश्यकता होती है अखबार और पत्रकार मे भी अनुवाद का काम बहुत होता है इसलिए प्रिंट मीडिया में भी अनुवादकों के लिए अवसर मौजूद है"।[2]

अनुवादक का दो या दो से अधिक भाषाओं पर अधिकार होता है अर्थात भाषिक कौशल्य उसे आत्मसात होता है। भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयोंमें अनुवादकों की आवश्यकता होती है। अर्जुन चव्हान इस संदर्भ में कहते है, "सच तो यह है कि हमारे यहाँ अनुवाद क्षेत्र में रोजगार के अधिकाधिक अवसर मौजूद है। अनुवाद बेकारी से छुटकारा दिलाकर रोजगार से जोड़ते हुए रोजी-रोटी की समस्या हल कर देनेवाला महत्त्वपूर्ण साधन बन गया है"।[3]

पत्रकारिता :

हिंदी समाचारपत्र या पत्रिका पत्रकार या संपादक के पद सृजित होते है। हिंदी अध्येता अगर पत्रकारिता के क्षेत्र में हिन्दी पत्रकार, अनुवादक, संपादक, रिपोर्टर के रूप मे अपने आपको प्रस्तुत करे तो हिंदी भाषा उसे जरूर रोजगार उपलब्ध करा देती है। "नीजी टी.व्ही. और रेडिओ चॅनलों की शुरुआत और स्थापित पत्रिका एवं समाचार पत्रों के हिंदी रूपांतर आने से रोजगार के अवसरों में कई गुणा वृद्धि हुई है। हिंदी मीडिया के क्षेत्र में संपादक, संवाददाताओं, रिपोर्टर्स, उपसंपादकों, प्रूफरीडरों रेडियो जॉकी एंकरों आदिकी बहुत आवश्यकता है"।[4] निवेदक अपनी भाषा और अभिव्यक्ति तथा प्रस्तुतिकरण की कला के आधार पर दृश्य-श्रव्य मेंसंवाददाता, न्यूज रिपोर्टर, निवेदक आदिके रूप में कार्य करके रोजगार पा सकते है।

पर्यटन:

पर्यटन क्षेत्र आज पैसा कमाने का बहुत अच्छा क्षेत्र है। पर्यटन के क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण यात्रियों को मार्गदर्शन करने वाला गाईड जो,दुभाषी होता है। आज भारत में कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक मुंबई से लेकर बंगाल तक अनेक ऐसे पर्यटन स्थल है जहाँ देशी-विदेशी पर्यटक आते है। अपने देश की राष्ट्रभाषा हिंदी होने के कारण ज्यादातर हिंदी का बोलबाला सभी जगह पर है। हमारे यहाँ धार्मिक, ऐतिहासिक, प्राकृतिक, सांस्कृतिक सागरतटीय एवं पर्वतीय स्थलों की भरमार है। ऐसे दर्शनीय, मोहक और सुंदर स्थलों को देखने के लिए अपने देश के ही नहीं बल्कि विदेशी लोक भी तरसते हुए मिलेंगे। हिंदी का छात्र आनेवाले देशी- विदेशी पर्यटकों के साथ भाषिक संबंध स्थापित करके रोजगार प्राप्त कर सकता है। अच्छे, प्रभावी, सरल शब्दों के प्रयोग से विदेश मेहमान खुश होकर मनचाहा मेहनताना देते है। अत: यह रोजगार प्राप्ती का साधन बन सकता है"।[5]

विज्ञापन :

अगला रोजगार का महत्त्वपूर्ण क्षेत्र है विज्ञापन। हिंदी भारत की संपर्क भाषा तथा बोलचाल की भाषा है। विज्ञापन के क्षेत्र में हिंदी की बहुत जरूरत है। भारतीय बाजारों मे हिंदी भाषा का उपयोग किया जाता है। आज कई कारखानें हजारो लाखो चीजों का उत्पादन कर रहे है। उत्पादन को बेचने के लिए उसका विज्ञापन तैयार किया जाता है। वर्तमान युग मे किसी भी उत्पाद को ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए विज्ञापन महत्त्वपूर्ण सोपान है।परिणामस्वरूप विज्ञापन-निर्माता तथा विज्ञापन-विशेषज्ञ की माँग बढ़ती जा रही है। कोई भी प्रोडक्ट जनता तक पहुंचाने के लिए संक्षिप्त, आकर्षक, चुटीला, भाषागत सौंदर्य के साथ संगीत शैली में श्रव्य और बोधगम्य भाषा में विज्ञापन बनाया तो विज्ञापन निर्माता करोडों रुपये प्राप्त कर सकता है। डॉ. तारेश भाटिया कहते है, "वर्तमान समय मे विज्ञापन एक महान व्यापार है। इसमें कई करोड व्यक्ति किसी-न- किसी रूप में जुडकर अपने जीविका चला रहे है। हमारे यहाँ दूरदर्शन, रेडिओ, अखबार, प्रेस विज्ञापन, चलचित्र विज्ञापन, बाह्य विज्ञापन और अन्य सभी अधुनातन विभिन्न जनसंचार माध्यममों के लिए बनाए जानेवाले अधिकतर विज्ञापन हिंदी मे हुआ करते है। वर्तमान में उपभोक्ता संस्कृति के चलते विज्ञापन का महत्व और भी अधिक बढ़ गया है"।[6]

हिन्दी अधिकारी :

हिंदी के अध्येताओं को राष्ट्रीय बैंकों में राजभाषा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है। हिंदी भाषा अधिनियम का प्रावधान है कि सभी संस्थानो मे हिंदी अधिकारी का पद आवश्यक हो। देश-विदेश मे सरकारी संस्थानों में हिंदी अधिकारी या हिंदी सलाहकार के रूप में भी काम करने का अवसर मिल जाता है। हिंदी अध्येता बी.ए., एम.ए. की उपाधी प्राप्त कर विभिन्न पदों पर नियुक्त हो सकता है। सरकारी या प्रायव्हेट कार्यालयों में हिंदी को बढावा देने के लिए, हिंदी का प्रचार- प्रसार करने के लिए हिंदी अधिकारी की आवश्यकता होती है। प्रशासन के नियम,सूचनाएँ,कानूनी बातें, नए फैसले, नयाकानून आदि की जानकारी हिंदी में जनता को मिले इसलिए हिंदी अधिकारी हमेशा सरकारी या प्रायव्हेट कार्यालय में आते है ही उन्हे अच्छा वेतन भी मिलता है।

सिनेमा :

आज मनोरंजन, उद्योग के क्षेत्र में भी हिंदी की अपार संभावनाएँ है। सिनेमा जगत के विभिन्न कार्यों के लिए हिंदी का ज्ञान उपयोगी सिद्ध हुआ है। भारत में हिंदी सिनेमा का इतिहास सौ साल से भी पुराना है। सिनेमा के क्षेत्र में हिंदी को फलने-फुलने के पर्याप्त अवसर मिला है। आज भारत में लगभग प्रतिवर्ष 800 से भी ज्यादा फिल्में बनती है। भारत के साथ विदेशो में भी हिंदी सिनेमा के दर्शकों की संख्या आज बढ़ चुकी है। यदि ऐसा नहीं होता तो विदेशों में उच्चशिक्षा लेकर भी युवक-युवतियाँ मुंबई मे आकर हिंदी सिख क्या रहे है,फिल्मों में ढूंढ रहे हैं, न जाने कितने विदेशी कलाकार, गायक, टेक्निशियन मुंबई मे हिंदी सिनेमा में काम पाने के लिए प्रयत्नशील है। हिंदी सिनेमा के अभिनेता-अभिनेत्री,डायरेक्टर, कथा लेखक, संवाद लेखक, गायक, गीतकार आदि लोग हिंदी के जरीए रोजगार पा सकते है क्योंकि भारतीय फिल्मों की मुख्य भाषा हिंदी है। हिंदी फिल्मों में मे काम करने वाले विविध देशों के, विविध राज्यों के कलाकार हिंदी सिख कर अभिनय कर रहे है जैसे कॅटरिना कैफ, जॅकलीन फर्नांडिस जो विदेशी है, आज करोड़ों रुपये लेकर अपना स्थान बनाए है।

निष्कर्ष :

निष्कर्ष रूप मे कहा जा सकता है कि हिन्दी भाषा पर अधिकार तथा भाषिक कौशल को प्राप्त करनेवाले मनुष्य को विश्व के स्तर पर अनेकानेक रोजगार उपलब्ध है। आज राष्ट्रीय तथा आंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी भाषा का महत्त्व पहले से अपेक्षा कई गुणा अधिक बढ़ है। इसलिए जनसंचार माध्यमों में तथा रोजगार के क्षेत्रों में हिंदी कि माँग दिन-ब-दिन बढ़तीजा रही है। इससे यह पता चलता है कि हिंदी आज रोजगारपरक होती जा रही है। क्योंकि पत्रकारिता, सूचनात्मक लेखन, अनुवाद, विज्ञापन, समाचारवाचक, स्क्रिप्टलेखक, कॅमेरामन, पटकथालेखक, संवाददाता, मल्टीमीडिया उद्बोधक, हिंदी अधिकारी, फिल्म निर्माण, जनसंपर्क, संगणक, आधुनिक इंटरनेट आदि क्षेत्र के साथ केंद्र सरकार के अधीनस्त विभिन्न विभागों में भी हिंदी के माध्यम से रोजगार की उपलब्धी होती है।

हिंदी भाषा का अध्ययन करने से रोजगार की प्राप्ति नहीं हो सकती यह विचार ही मनसे निकाल देना चाहिए। मनुष्य को हमेशा सकारात्मक सोच रखनी चाहिए, साथ ही नई तकनीकों से अवगत होने की क्षमता का विकास करना चाहिए। चूंकि

आज का युग स्पर्धात्मक होने के साथ- साथ नए-नएअविष्कारों का युग है। ऐसे में हमारी यह जिम्मेदारी बन जाती है कि हम इन तकनीकों और आविष्कारों से न केवल परिचित रहे बल्कि उनका उचित ज्ञान ग्रहण करें, भाषिक कौशल्यों को प्राप्त करें,तब हमें रोजगार पाने से कोई नही रोक सकता।

संदर्भ सूची-

1. प्रो. वाई. वेंकटरमण,अनुवाद का सामायिक परिविक्ष (स्मारिका) अनुवाद– एक आवश्यकता, पृ-7
2. httpekwww.webduniya.com
3. डॉ. अर्जुन चव्हाण,मीडियाकालिनहिन्दी : स्वरूप एवं संभावनाएँ,पृ-121
4. httpekwww.webduniya.com
5. डॉ. ईश्वर पवार, रोजगारपरक हिन्दी, पृ- 97
6. डॉ.तारेश भाटिया,आधुनिक विज्ञापन और जनसम्पर्क, पृ- 09

• **Copyright & License:**
© Authors retain the copyright of this article. This work is published under the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY 4.0), permitting unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited.